PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, Delhi
Mon, 12 Jun 2017, Page 5
Width: 16.24 cms, Height: 35.51 cms, a3, Ref: 25.2017-06-12.78

प्रदेश में इस बार 63 लाख रुपए खर्च कर होगा 'योग'

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

तीसरा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा। शिक्षा विभाग योग दिवस पर 63 लाख रुपए खर्च करेगा। लोकशिक्षण संचालनालय ने जबलपुर सहित प्रदेश के सभी 51 जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों के बैंक खाते में योग कराने रकम भी भेज दी है। जबलपुर में जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर योग कार्यक्रम कराने के लिए 5 लाख रुपए दिए गए हैं। जानकारों की मानें तो संभवत: ये पहला मौका है जब योग कार्यक्रम के लिए इतनी बड़ी रकम जारी की गई है। इसके पहले योग के लिए कोई बजट नहीं मिलता था।

किसी को एक किसी को ढाई लाख रुपए तक मिले

लोकशिक्षण संचालनालय के संयुक्त संचालक वित्त ने प्रदेश के सभी जिलों को योग कार्यक्रम व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम कराने के लिए 63 लाख रुपए जारी किए हैं। जिसमें जबलपुर, इंदौर, भोपाल को 5-5 लाख रुपए जबकि ग्वालियर सहित अन्य जिलों को एक लाख से लेकर ढाई लाख रुपए तक दिए गए हैं। तीसरे योग दिवस पर जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर योग कार्यक्रम के अलावा सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने कार्यक्रम में खर्च राशि का पूरा ब्योरा भी देने को कहा है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में खर्च हुए थे 70 हजार

बता दें कि पिछले साल दूसरे

शिक्षा विभाग ने डीईओ के खाते में पहुंचाई रकम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम मॉडल स्कूल में हुआ था। जिसमें बड़ी एलईडी टीवी स्क्रीन, साउंड, कारपेट व अन्य साज-सज्जा में करीब 70 हजार रुपए खर्च हुए थे।

आनंदम सहयोगियों को दिए आनंद बांटने के टिप्स

भोपाल। आनंद की अनुभूति के साथ लोगों के बीच खुशियां बांटने सबसे पहले स्वयं को अफसर के बजाए इंसान समझें। स्टाफ एवं लोगों से बर्ताव भी दोस्ताना हो। ये टिप्स जिला आनंदम सहयोगियों को रिफ्रेशर कोर्स के दौरान दिए गए। प्रशासन अकादमी में पुणे की संस्था इनीशिएटिव ऑफ चेंज के विशेषज्ञों ने जिला आनंदम सहयोगियों को कर्मचारियों के बीच आनंद बांटने के तौर-तरीके समझाए। संस्था के 4 विशेषज्ञों ने अलग-अलग विषय पर विचार रखे। पहले बैच में भोपाल सहित 20 जिलों के आनंदम सहयोगियों को ट्रेनिंग दी गई, दूसरे बैच का प्रशिक्षण 12 से 14 जून के सत्र में दिया जाएगा। इस दौरान आनंद विभाग का कार्यक्रम 'अल्प विराम' का भी प्रशिक्षण देंगे। विशेषज्ञों ने आनंदम सहयोगियों को समझाया कि उन्हें अधिकारी-कर्मचारियों के बीच पहले यही बात समझानी है कि अफसर के बजाए खुद इंसान समझें।